भारतीय दूतावासों में होगी उत्तर प्रदेश के ओडीओपी उत्पादों की ब्रांडिंग, बढ़ेगा निर्यात

जागरण संवाददाता, कानपुर

- विदेशी खरीदारों को देश में देखने को मिलेंगे उत्पाद, सीधे कर सकेंगे आर्डर
- दुनियाभर के देशों में निर्यात के क्षेत्र में तेजी लाने को बनाई जा रही योजना

अमेरिकी टैरिफ के झंझावात के बीच 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी) के जरिये निर्यात बढ़ाने की कवायद की जा रही है। अमेरिका से इतर देशों में भी उत्तर प्रदेश के उत्पादों की ब्रांडिंग कर कारोबार के नए प्रकल्प तलाशे जाएंगे। इसके लिए ओडीओपी के उत्पादों को भारतीय दूतावासों के शोकेस में सजाने की तैयारी है। कानपुर के चर्म उत्पादों के साथ ही जल्द ही मैनपुरी की जरदोजी, फिरोजाबाद की कांच की वस्तुएं, आजमगढ़ की ब्लैक पाटरी, बरेली के बेंत के उत्पाद आदि भारतीय दूतावासों के शोकेस में सजेंगे। भदोही की कालीन, मुरादाबाद के धातु शिल्प, गाजीपुर का हैंगिंग वाल आदि भी ओडीओपी की श्रेणी में हैं।

अगस्त में अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के टैरिफ ने भारतीय निर्यात को झटका दिया है, लेकिन अब आपदा को अवसर में बदलने के लिए उत्तर प्रदेश के हर जिले के हुनर को दुनिया के सामने रखने की तैयारी की जा रही है। यद्यपि

ओडीओपी योजना में बनाए जा रहे चमड़े के लेडीज बैग व बेल्ट। सौजन्य : उद्यमी

यह निर्णय टैरिफ लागू होने के पूर्व का है, पर अब इसकी अनिवार्यता और बढ़ गई है। उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में वहां के खास उत्पाद को ओडीओपी योजना में शामिल किया गया है। परंपरागत उत्पाद होने की वजह से इनकी अपनी पहचान और खूबसूरती है। योजना है कि भारतीय दूतावासों में इसके लिए शोकेस बनाए जाएं, जहां इन उत्पादों को रखा जाए। मंशा यह है कि दूतावासों में जब उन देशों के लोग आएंगे तो इनको देखेंगे, जिससे वह इनको खरीदने के लिए प्रेरित होंगे। कारोबारी भी दूतावास में ही आकर इन उत्पादों को देख सकेंगे। इन उत्पादों के साथ ही यह जानकारी भी दी जाएगी कि उनके निर्माता कौन हैं? ऐसे में जो उत्पाद वहां के लोगों को पसंद आएंगे, वे निर्माताओं से सीधे संपर्क कर आर्डर बुक कर सकेंगे। इससे आयातकों को भारत में आने के खर्च को वहन नहीं करना पड़ेगा और उनकी लागत कम होगी। उन्हें एक ही जगह तमाम अलग-अलग तरह के उत्पादों की जानकारी मिल सकेगी। साथ ही ओडीओपी योजना के निर्माताओं को भी दुनियाभर में अपने उत्पादों के लिए बाजार मिल सकेगा।

संयुक्त आयुक्त उद्योग सुनील कुमार ने बताया कि ओडीओपी के उत्पादों के लिए यह योजना बहुत ही कारगर होने जा रही है। इससे प्रत्येक जिले के उत्पादों को दुनिया के बाजार में पहुंचाया जा सकेगा।